समाचार और प्रतिवेदन

परम श्रद्धेय सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज का १२७ वाँ जयन्ती महोत्सव

नमः परमकारुण्यशालिने दिव्यमूर्तये ।
शिवानन्दमुनीन्द्राय लोकैकगुरवे नमः ।।

महान् सन्त एवं विश्वगुरु श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज को मेरा बारम्बार प्रणाम है जिनकी करुणा असीम है तथा जो दिव्यता के मूर्तिमन्त रूप हैं।

परम पावन सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के जन्म-दिवस की १२७ वीं वर्षगाँठ का महोत्सव मुख्यालय आश्रम में ८ सितम्बर २०१४ को अत्यधिक पवित्रता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन दिवस के कार्यक्रम का आरम्भ प्रातः ४.३० बजे प्रार्थना, ध्यान एवं परम श्रद्धेय श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज तथा परम श्रद्धेय श्री स्वामी आत्मस्वरूपानन्द जी महाराज के प्रेरक सन्देशों से हुआ। तत्पश्चात् प्रभातफेरी आयोजित की गयी जिसमें विशाल

संख्या में भक्तवृन्द उल्लासपूर्वक दिव्य नाम संकीर्तन करते हुए सद्गुरुदेव की तपस्थली तक गये। आश्रम यज्ञशाला में विश्व-शान्ति एवं मानव-कल्याण हेतु एक विशेष हवन भी सम्पन्न हुआ।

पूर्वाह्न सत्र में, सद्गुरुदेव की समाधि पर स्थापित पवित्र शिवलिंग की आश्रम के वरिष्ठ संन्यासियों द्वारा आराधना की गयी। शिवानन्द सत्संग भवन (ऑडिटोरियम) में एक विशेष सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें परम प्रिय सद्गुरुदेव की पावन पादुकाओं की भव्य पूजा की गयी। पुरुषसूक्त एवं नारायणसूक्त के पाठ के साथ पादुकाओं का दूध एवं जल से अभिषेक किया गया। सुगन्धित चन्दन, कुमकुम तथा गुलाब की अति सुन्दर मालाओं के अर्पण के पश्चात् अर्चना एवं आरती सम्पन्न हुई। इसके उपरान्त, गुरु की अवर्णनीय दिव्य महिमा को अभिव्यक्त करते भजन-कीर्तन ने सभी के हृदयों को परम आराध्य सद्गुरुदेव के प्रति प्रेम एवं

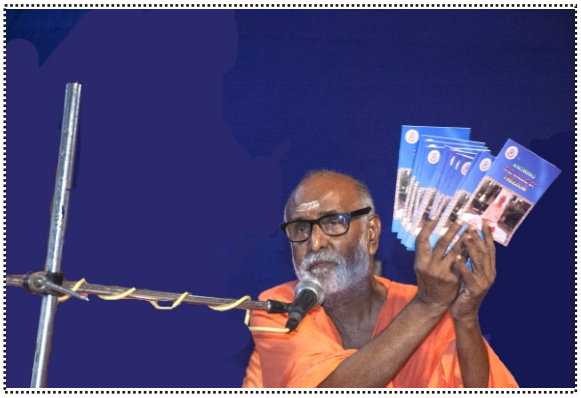

कृतज्ञता के भाव से आपूरित कर दिया। इस पावन दिवस पर तेरह पुस्तकों तथा 'द डिवाइन लाइफ' एवं 'दिव्य जीवन' पत्रिका के 'जन्मदिवस विशेषांक' का विमोचन भी किया गया। परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज के आशीर्वचनों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सायंकाल में, सद्गुरुदेव की पावन स्मृति में विश्वनाथ घाट पर माँ गंगा की विशेष पूजा एवं अर्चना की गयी। रात्रिकालीन सत्संग में, परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी

अद्वैतानन्द जी महाराज एवं परम पूज्य श्री स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज ने सद्गुरुदेव के प्रेरणादायी जीवन तथा उनकी उदात्त शिक्षाओं पर संक्षिप्त प्रवचनों के माध्यम से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्सव का समापन आरती एवं विशेष प्रसाद के वितरण के साथ हुआ।

परम पिता परमात्मा तथा हमारे परम आराध्य सद्गुरु भगवान् के विपुल आशीर्वाद सब पर हों!

* * *

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव प्रबन्ध समिति एवं डी एल एस ब्रान्च मीट

परम आराध्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की जन्म शताब्दी के पावन पर्व को यथोचित रूप से मनाने हेतु मुख्यालय आश्रम में 'स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव प्रबन्ध समिति' का गठन किया गया है। दिनांक ६ एवं ७ सितम्बर २०१४ को मुख्यालय आश्रम में प्रबन्ध समिति के सदस्यों एवं डी एल एस शाखा-प्रतिनिधियों की दो-दिवसीय मीटिंग आयोजित की गयी जिससे कि उन्हें परम पावन श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव विषयक अपने सुझाव एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हो सके।

मीटिंग प्रतिदिन दो सत्रों में आयोजित हुई। इसका शुभारम्भ ६ सितम्बर के प्रात:कालीन सत्र में परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज द्वारा जय गणेश प्रार्थना तथा स्वागत सन्देश से हुआ। तत्पश्चात्, प्रबन्ध समिति के चेअरमेन श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज ने समिति-सदस्यों तथा शाखा-प्रतिनिधियों को विभिन्न राज्यों एवं मुख्यालय आश्रम द्वारा अब तक आयोजित किये गये कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण दिया। इसके उपरान्त, मीटिंग के संचालक श्री स्वामी

अखिलानन्द जी महाराज ने प्रबन्ध समिति के सदस्यों एवं शाखा-प्रतिनिधियों को अपने सुझाव प्रस्तुत करने हेतु क्रमानुसार आमन्त्रित किया।

इन चार सत्रों के दौरान, समिति-सदस्यों एवं शाखा-प्रतिनिधियों ने उनके क्षेत्रों में अब तक आयोजित हुए कार्यक्रमों की संक्षिप्त सूचना के साथ-साथ भविष्य में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने मुख्यालय आश्रम द्वारा आयोजित किये जा सकने वाले कार्यक्रमों एवं सेवा कार्यों के सम्बन्ध में अपने सुझाव भी दिये। अधिकांशत: प्रतिभागियों ने डी एल एस सदस्यों को दिव्य जीवन का उज्ज्वल आदर्श प्रस्तुत करने हेतु अपनी व्यक्तिगत साधना को तीव्र करने तथा परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की पावन स्मृति में सेवा कार्यों को संचालित करने सम्बन्धित विचार व्यक्त किये। मीटिंग में सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से परम आराध्य श्री स्वामी जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव को समुचित रूप से मनाने के पवित्र दायित्व के प्रति उनका गहन समर्पण परिलक्षित हुआ।

समापन सत्र में परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने अपने संक्षिप्त सन्देशों द्वारा सभा को आशीर्वादित किया। परम पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में समिति-सदस्यों तथा शाखा-प्रतिनिधियों के प्रति उनके अमूल्य सुझावों के लिए अत्यधिक आभार व्यक्त किया। भारत के विभिन्न भागों से आये लगभग ५०० प्रतिभागी इस मीटिंग में सम्मिलित हुए। सभी को परम पावन श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के तत्त्वावधान में छपी पुस्तिकाएँ ज्ञान प्रसाद के रूप में दी गयीं।

समस्त प्रतिभागी ८ सितम्बर को सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के १२७ वें जयन्ती उत्सव में सम्मिलित हुए तथा स्वयं को धन्य अनुभव किये।
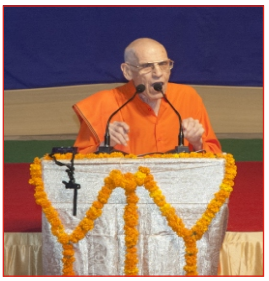
परम पिता परमात्मा, सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज एवं परम श्रद्धेय श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के विपुल आशीर्वाद सब पर हों! * * *